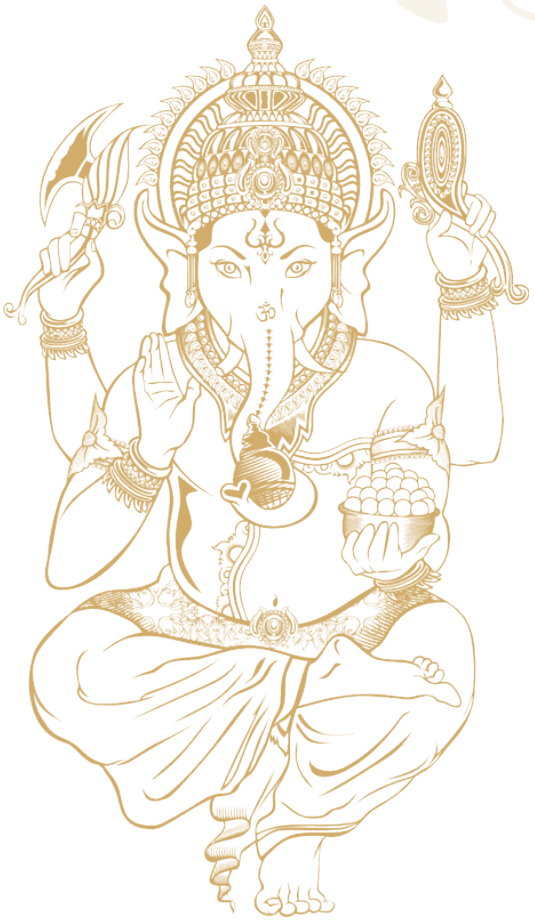

16 Oct 2023

11:44 PM

Churu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121915109

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/10/2023**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:44:00 घंटे**
इष्ट	43:02:22 घटी
स्थान	**Churu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:18:00 उत्तर
रेखांश	75:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:14:00 घंटे
वेलान्तर	00:14:22 घंटे
साम्पातिक काल	00:54:01 घंटे
सूर्योदय	06:31:03 घंटे
सूर्यास्त	17:59:58 घंटे
दिनमान	11:28:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:56:06 कन्या
लग्न के अंश	29:35:30 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	29:35:30	309:17:09	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	28:56:06	00:59:31	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			तुला	22:12:14	12:45:28	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	तुला	08:55:24	00:40:46	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
बुध		अ	कन्या	26:28:23	01:43:10	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	स्वराशि
गुरु	व		मेष	18:36:22	00:07:15	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	12:43:11	00:56:07	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	06:37:04	00:01:51	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु			मेष	00:41:36	00:00:08	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	शत्रु राशि
केतु			तुला	00:41:36	00:00:08	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
हर्ष	व		मेष	27:58:21	00:02:05	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	---
नेप	व		मीन	01:21:57	00:01:25	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो			मक	03:42:46	00:00:10	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			मीन	20:28:53	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:13

लग्न-चलित

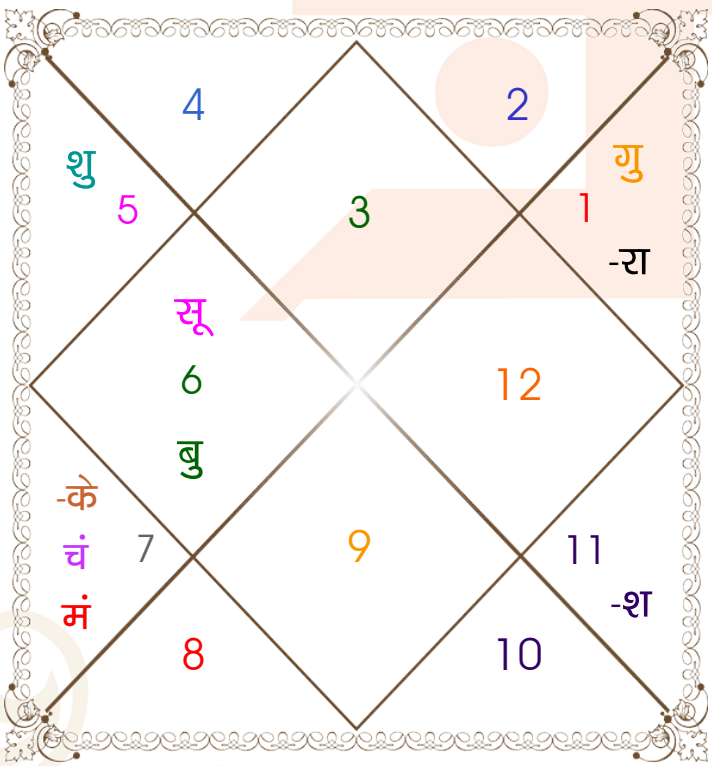

चन्द्र कुंडली

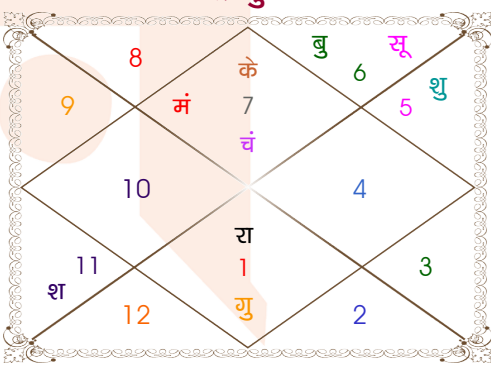

नवमांश कुंडली

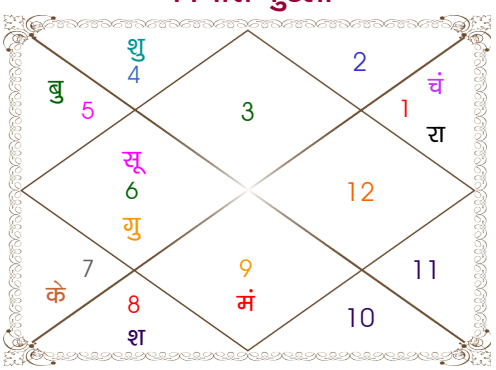

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 4 मास 7 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/10/2023		22/02/2037		23/02/2056		22/02/2073		23/02/2080	
22/02/2037		23/02/2056		22/02/2073		23/02/2080		23/02/2100	
	16/10/2023	शनि	26/02/2040	बुध	22/07/2058	केतु	22/07/2073	शुक्र	25/06/2083
शनि	24/10/2025	बुध	05/11/2042	केतु	19/07/2059	शुक्र	21/09/2074	सूर्य	24/06/2084
बुध	30/01/2028	केतु	15/12/2043	शुक्र	19/05/2062	सूर्य	27/01/2075	चंद्र	23/02/2086
केतु	05/01/2029	शुक्र	14/02/2047	सूर्य	25/03/2063	चंद्र	28/08/2075	मंगल	25/04/2087
शुक्र	06/09/2031	सूर्य	27/01/2048	चंद्र	24/08/2064	मंगल	24/01/2076	राहु	25/04/2090
सूर्य	24/06/2032	चंद्र	27/08/2049	मंगल	21/08/2065	राहु	10/02/2077	गुरु	24/12/2092
चंद्र	24/10/2033	मंगल	06/10/2050	राहु	09/03/2068	गुरु	17/01/2078	शनि	23/02/2096
मंगल	30/09/2034	राहु	12/08/2053	गुरु	15/06/2070	शनि	26/02/2079	बुध	24/12/2098
राहु	22/02/2037	गुरु	23/02/2056	शनि	22/02/2073	बुध	23/02/2080	केतु	23/02/2100

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/02/2100		24/02/2106		24/02/2116		24/02/2123		23/02/2141	
24/02/2106		24/02/2116		24/02/2123		23/02/2141		00/00/0000	
सूर्य	13/06/2100	चंद्र	25/12/2106	मंगल	22/07/2116	राहु	06/11/2125	गुरु	14/04/2143
चंद्र	12/12/2100	मंगल	26/07/2107	राहु	10/08/2117	गुरु	01/04/2128	शनि	17/10/2143
मंगल	19/04/2101	राहु	24/01/2109	गुरु	17/07/2118	शनि	06/02/2131		00/00/0000
राहु	14/03/2102	गुरु	26/05/2110	शनि	26/08/2119	बुध	25/08/2133		00/00/0000
गुरु	31/12/2102	शनि	25/12/2111	बुध	22/08/2120	केतु	13/09/2134		00/00/0000
शनि	13/12/2103	बुध	26/05/2113	केतु	18/01/2121	शुक्र	12/09/2137		00/00/0000
बुध	19/10/2104	केतु	25/12/2113	शुक्र	20/03/2122	सूर्य	07/08/2138		00/00/0000
केतु	23/02/2105	शुक्र	26/08/2115	सूर्य	26/07/2122	चंद्र	06/02/2140		00/00/0000
शुक्र	24/02/2106	सूर्य	24/02/2116	चंद्र	24/02/2123	मंगल	23/02/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 4 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।